भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2973
बुधवार, 05 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

एल नीनो परिस्थितियों से निपटने की तैयारी

†2973. श्री सचिदानन्दम आर:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान विकसित हो रही एल नीनो परिस्थितियों के मानसून, कृषि उत्पादन जलाशयों में जल भंडारण तथा पेयजल उपलब्धता पर संभावित प्रभाव का आकलन किया है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुदृढ़ हो रही एल नीनो पारिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने मानसून पूर्वानुमान मे संशोधन किया है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा एवं उसका राज्य-वार संभावित प्रभाव क्या है;

(ग) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान एल नीनो के कारण अल्पवृष्टि, सूखा अथवा लंबे समय तक चलने वाली लू जैसी प्रतिकूल जलवायु संबंधी परिस्थितियों के उच्च जोखिम वाले जिलों की पहचान की है तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने वर्ष 2026 में एल नीनो के प्रभावों से निपटने के संबंध में राज्यों के लिए कोई दिशा-निर्देश जारी किए हैं तथा यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) और (ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून वर्षा पर एल नीनो के संभावित प्रभाव का आकलन करता है। सामान्य तौर पर, एल नीनो की घटना के दौरान भारतीय ग्रीष्मकालीन मॉनसून सामान्य से कमजोर होता है, तथा घटना की तीव्रता भी मॉनसून पर प्रभाव का स्तर निर्धारित करती है। वर्ष 1950 से अब तक कुल 16 एल नीनो वर्ष रहे हैं, जिसमें से 7 वर्षों ने भारतीय मॉनसून वर्षा को प्रभावित किया है, तब वर्षा सामान्य से कम थी। तथापि, मॉनसून ऋतु के उत्तरार्ध के दौरान एल नीनो तथा वर्षा के बीच विपरीत संबंध है (विशेष रूप से सितंबर की वर्षा के साथ)।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), नियमित रूप से, वर्षा और तापमान के लिए मौसमी और मासिक पूर्वानुमान जारी करता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2026 दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के लिए सामान्य से कम वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा दिनांक 13 अप्रैल 2026 को जारी किए गए अपने प्रथम चरण दीर्घ अवधि पूर्वानुमान में, ऋतुनिष्ठ वर्षा - दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) का 92 प्रतिशत होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया, जिसमें ±5 प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है। इसके पश्चात, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा इसमें संशोधन करते हुए द्वितीय चरण दीर्घ अवधि पूर्वानुमान में, ऋतुनिष्ठ वर्षा - दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया, जिसमें ±4 प्रतिशत की मॉडल त्रुटि हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने मौसमी पूर्वानुमानों में दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के दौरान एल नीनो की स्थिति निर्मित होने की संभावना का भी संकेत देते हुए तत्संबंधी हितधारकों को तैयारी और योजना बनाने के लिए अग्रिम मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) दैनिक अंतराल पर मानसून वर्षा, और मासिक अंतराल पर एल नीनो की स्थिति संबंधी नवीनतम जानकारी नियमित रूप से प्रदान करता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) सभी हितधारकों को जिला और ब्लॉक स्तर पर वर्षा की जानकारी भी प्रदान करता है और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), गृह मंत्रालय (एमएचए), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओएएफडब्ल्यू) की बैठकों में नियमित रूप से भाग लेता है और सुसंगत जानकारी प्रदान करता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की फसल मौसम निगरानी के अंतर्गत, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हर सप्ताह पिछली वर्षा संबंधी जानकारी और अगले दो सप्ताह के लिए वर्षा का पूर्वानुमान प्रदान करता है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) कृषि और बांध प्रबंधन विभागों के साथ मिलकर काम कर रहा है और वर्ष 2026 के ऋतुनिष्ठ से लेकर लघु और मध्यम अवधि वाले प्रायोगिक पूर्वानुमान के आधार पर वर्षा और एल नीनो सदर्न ऑसिलेशन (ईएनएसओ) बनने के कारण कृषि और जल प्रबंधन पर पड़ने वाले प्रभाव संबंधी जानकारी प्रदान करता है।

(ग) एवं (घ) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने वर्ष 2026 के दौरान एल नीनो के प्रभावों से निपटने के संबंध में राज्यों को कोई जिला-वार जोखिम और प्रभाव आकलन अध्ययन या दिशानिर्देश जारी नहीं किए हैं।

तथापि, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) नियमित रूप से मौसम और जलवायु पूर्वानुमान, मौसमी आउटलुक और वर्षा, लू और अन्य चरम मौसमी घटनाओं से संबंधित पूर्व चेतावनी जारी करता है, जिसे सभी संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को प्रसारित किया जाता है ताकि तैयारी और उचित प्रतिक्रिया के उपायों में मदद मिल सकें।

*****